सादर प्रकाशनार्थ,

योग का अर्थ ही है जोड़ अर्थात् आत्मा का परमात्मा से संबंध.....मुखर्जी

कोरबाः 16.06.2017– प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व–विद्यालय के तत्वाधान में अंतर्राष्ट्रोय योग दिवस की श्रृंखला में विश्व सद्भावना भवन कोरबा में आयोजित कार्यकम में ब्रह्माकुमार राजयोगी हरिहर मुखर्जी ने कहा कि योग का अर्थ ही है जोड़ अर्थात् आत्मा का परमात्मा से संबंध। आत्मा के तीन संबंध परमात्मा से प्रमुख हैंः परमपिता, परमशिक्षक और सद्गुरू अर्थात् सर्व को सद्गति देन वाला। पिता के रूप में वह हमें स्वर्ग का राज्य भाग्य देता है, और शिक्षक के रूप में वे हमें नर से श्री नारायण तथा नारी से श्री लक्ष्मी बनाने का ज्ञान देते हैं। योग कोई कठिन किया नहीं है, लेकिन ईश्वर पिता की सहज याद ही योग है। ऐसा माना जाता है कि जिससे कोई पाप्ति हो, प्यार हो वा संबंध हो तो उसकी याद स्वतः ही आती है। यदि हम किसी ईश्वरीय कार्य में सहयोगी बनते हैं, तो ईश्वर पिता की दुआओं के साथ साथ उसकी याद स्वतः ही आती है, यही राजयोग की सहज विधि है। भ्राता एम.एस.कंवर कार्यपालक निर्देशक डी.एस.पी. एम. कोरबा ने कहा कि आज के इस परिवेश में लोगों को कितने ही विपरीत परिस्थितियों से गुजरना पड़ता है। संस्थान द्वारा इस तरह के आयोजित कार्यकम निश्चित ही लोगों को शांति और सुख की अनुभूति करायेंगें। भ्राता पी.सी.दास मुख्य महाप्रबंधक सेन्द्रल वर्कशाप कोरबा ने कहा कि हम मनुष्य हैं और भौतिक युग में जी रहें हैं, सुबह से शाम तक कार्य व्यवहार में व्यस्त हैं। इस तरह के आयोजन से, आध्यात्म व योग से संबंधित जानकारी हमें मिलती है जिससे हमारा मनोबल बढ़ता है। भ्राता योगेश शर्मा मुख्य प्रबंधक सेन्ट् ल वर्कशाप कारबा ने कहा कि आज यहां का आध्यात्मिक वातावरण हमें प्रेरित कर रहा है और मैं मन में शांति व सुकून की अनुभूति कर रहा हूँ। सेन्ट जेवियर पब्लिक स्कूल में आयोजित योग एवं मूल्य शिक्षा कार्यकम में भ्राता के.पी. सिंह प्राचार्य ने कहा कि हम विद्याथिर्यो के सर्वागींण विकास के लिये बहु–आयामी कार्यकम रखते हैं। योगाभ्यास जीवन मूल्य और हमारे आत्म सम्मान के महत्व को भी बढ़ाता है। योगाभ्यास से विद्याथियों को इस तरह से तैयार करना है कि वो भविष्य में जीवन में, आने वाली परिस्थितियों का सामना कर सकें और स्वस्थ रहें। बह्माकुमारी बिन्दु बहन ने कहा कि मूल्य जीवन में आवश्यक हैं, जो कि जीवन में संयम लाते हैं। किताबी ज्ञान के साथ–साथ जीवन मूल्यों की धारणा भी आवश्यक है। योगाचार्य डॉ. डी.के.आनंद ने कहा कि इस विद्यालय में योग दिवस की पूर्व तैयारियां कर ली गई हैं और हम अधिक से अधिक इस कार्यकम में शाला परिवार की सहभागिता चाहते हैं। यह आपको शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रखेगा। सिमुलेटर प्रशिक्षण केन्द्र, एन.टी.पी.सी में सुरक्षा बल के लिये आयोजित कार्यकम में भ्राता बी.के. यमुना कमाण्डेन्ट सी. आई. एस.एफ. ने कहा कि आध्यात्म और जीवन मूल्य दोनों का आपस में गहरा संबंध है,। हर एक व्यक्ति की आवधारणा में अंतर हो सकता है। ब्रह्माकुमारी रूकमणी बहन ने कहा कि आप सभी यह अनुभव करें कि मैं परमात्म बगीचे का सुगन्धित गुलाब का फूल हूँ, यह गुलाब का फूल सभी देवताओं पर चढ़ाया जाता है और इसकी बहुत सारी विशेषतायें हैं। आप कोई कार्य करते अपने सिर पर परमात्म दुआओं का हाथ अनुभव कर सकते हैं। भ्राता जयदीप चौधरी असि. कमाण्डेन्ट कार्यकम के

संयोजन में अपनी भूमिका निभाई। कु.नेहा वर्मा ने गीत की प्रस्तुति दी तथा भ्राता शेखर राम ने मंच संचालन किया। जिला जेल कोरबा में भी ध्यान–योग का कार्यकम आयोजित किया गया।

मानवता की सेवा में, ब्रह्माकुमारी रूकमणी।